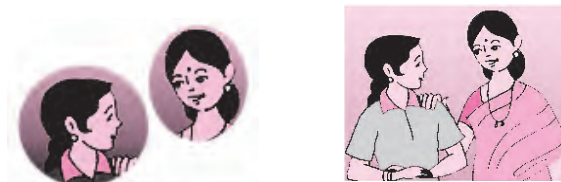


● पढ़ो, समझो और दोहराओ :

१०. उलझन

रमा कई दिनों से परेशान-सी लग रही थी। माँ से उसकी यह उलझन छिपी नहीं थी। रात में रमा खाना खाकर पढ़ने की बजाय अपने पलंग पर लेटी छत देख रही थी। बेटी के पास बैठते हुए माँ ने पूछा, “बेटा, कई दिनों से देख रही हूँ कि तुम कुछ परेशान हो। क्या बात है?”

“माँ, हम लोग परीक्षा के बाद हमेशा कहीं-न-कहीं घूमने जाते हैं। उसमें बहुत पैसा खर्च होता है न ! कितना होता होगा?” हिचकते हुए रमा ने पूछा। माँ के अधरों पर मुसकान तैर गई, “तो तुम खर्च को लेकर परेशान हो?” रमा बोली, “नहीं माँ, हम लोग इस बार अगर कहीं न जाएँ तो क्या वह पैसा मुझे मिल सकता है?” “तुम्हें इतने पैसों की क्या जरूरत आ पड़ी?” माँ की आवाज में आश्चर्य था। “माँ, सुलक्षणा की माँ की



तबीयत ठीक नहीं है। डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिए कहा है। आपको मालूम है कि बड़ा परिवार होने के कारण उनका खर्च पूरा नहीं पड़ता। गरीबी के कारण वे इलाज नहीं करा सकते। मैं सोच रही थी कि ये पैसे उनके काम आ जाएँगे।” रमा बोली।

माँ ने कहा, “बहुत सारे डॉक्टर पापा के मित्र हैं। तुम कल ही सुलक्षणा से कहना कि वह अपनी माँ को लेकर आ जाए। उनका इलाज हम लोग करवाएँगे।” “सच माँ, तुम कितनी अच्छी हो!” रमा की आँखों में खुशी छलक उठी थी। रमा के माथे को चूमती हुई माँ बोली, “मेरी बेटी सबसे अच्छी है क्योंकि उसका दिल दूसरों की तकलीफ से दुखी होता है।” सुनकर रमा का मन खिल उठा।

– नीलम राकेश



सही (✓) या गलत (×) चिह्न लगाओ और मोटे अक्षरों में छपे क्रिया के काल को समझो :

१. रमा कई दिनों से परेशान थी। ()
२. पापा का कोई भी मित्र डॉक्टर नहीं है। ()
३. उनका इलाज हम लोग नहीं करवाएँगे। ()
४. उसका दिल दूसरों की तकलीफ से दुखी होता है। ()



❑ विद्यार्थियों को कहानी सुनाएँ और क्रमशः दो-दो पंक्तियों का वाचन करके दोहरवाएँ। विद्यार्थियों से छोटे परिवार के महत्त्व पर चर्चा करें। वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल को उदाहरणों द्वारा समझाएँ। विद्यार्थियों को बंधुता, समता संबंधी कहानियाँ सुनाएँ।